ऑफलाइन बैच

BPSC फाउंडेशन

2026 - 2028

प्रीलिम्स से इंटरव्यू | स्मार्ट मॉडल पर आधारित

दिल्ली | पटना | प्रयागराज | लखनऊ | इंदौर

966-777-1595

आपका चयन, हमारा मिशन

हमारा विजन

भारत का सबसे विश्वसनीय और परिणामोन्मुखी शिक्षण तंत्र निर्मित करना, जहाँ प्रत्येक अभ्यर्थी चाहे उसका पृष्ठभूमि कोई भी हो, उचित मार्गदर्शन, स्पष्ट संरचना और निरंतर सहयोग प्राप्त कर सके, ताकि वह अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान सके। हमारा उद्देश्य तैयारी की प्रक्रिया को भ्रम और अनिश्चितता से निकालकर स्पष्टता और आत्मविश्वास में परिवर्तित करना है, जिससे विद्यार्थी न केवल बेहतर तैयारी करें बल्कि यूपीएससी तथा उससे आगे भी सफलता प्राप्त करें।

हमारा मिशन

- परीक्षा तैयारी हेतु संरचित एवं चरणबद्ध लर्निंग पाथवे विकसित करना।
- अभ्यास, मूल्यांकन और फीडबैक के माध्यम से प्रदर्शन-आधारित शिक्षण को सक्षम बनाना।
- विशेषज्ञ शिक्षकों, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और प्रौद्योगिकी का एकीकृत तंत्र विकसित करना।
- मापनीय प्रगति के लिए डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि और निरंतर मूल्यांकन उपलब्ध कराना।
- बदलते परीक्षा पैटर्न के अनुरूप वैचारिक स्पष्टता को सुदृढ़ करना।
- ऐसे उपकरण उपलब्ध कराना जो अध्ययन, रिवीजन और अनुप्रयोग के बीच सेतु का कार्य करें।
- अनुशासन, निरंतरता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- कंटेंट, शिक्षण पद्धति और छात्र अनुभव में निरंतर नवाचार करना।
- भारत भर में उच्च-गुणवत्तापूर्ण और विस्तार योग्य शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करना।
- अभ्यर्थियों को सार्थक और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शन देना।

उत्कृष्टता और सफलता का उत्सव

2 करोड़ अभ्यर्थियों का भरोसा

कैंपस से कलेक्ट्रेट तक

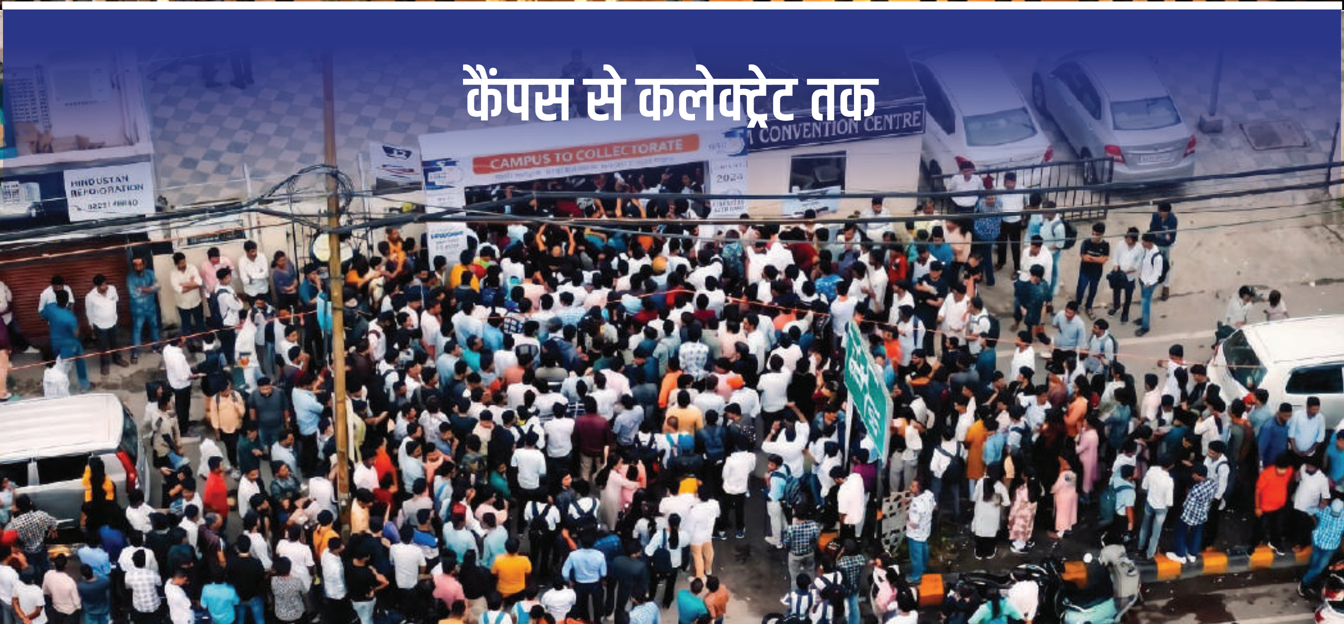

BPSC परीक्षा पैटर्न

प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार

BPSC सिविल सेवा परीक्षा राज्य स्तर की सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक है। यह बिहार राज्य सेवाओं में प्रतिष्ठित पदों तक पहुँचने का द्वार मानी जाती है, जिनमें डिप्टी कलेक्टर (DC), एसडीएम (SDM), पुलिस उप अधीक्षक (DSP) आदि पद शामिल हैं। किसी भी अभ्यर्थी के लिए अपनी तैयारी शुरू करने से पहले परीक्षा पैटर्न को समझना पहला आवश्यक कदम होता है।

प्रारंभिक परीक्षा चरण

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	प्रश्नों की संख्या
प्रश्न पत्र – 1	सामान्य अध्ययन	150	150
सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंक = 150			

मुख्य परीक्षा चरण

प्रश्न पत्र	विषय	समय अवधि	अंक
प्रश्न पत्र – 1	सामान्य हिन्दी	3 घंटे	100
प्रश्न पत्र – 2	सामान्य अध्ययन – I	3 घंटे	300
प्रश्न पत्र – 3	सामान्य अध्ययन – II	3 घंटे	300
प्रश्न पत्र – 4	निबंध	3 घंटे	300
प्रश्न पत्र – 5	वैकल्पिक विषय	3 घंटे	100
सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंक = 1100			

साक्षात्कार चरण

परीक्षा	समय अवधि	अंक
व्यक्तित्व परीक्षण / साक्षात्कार	....	120

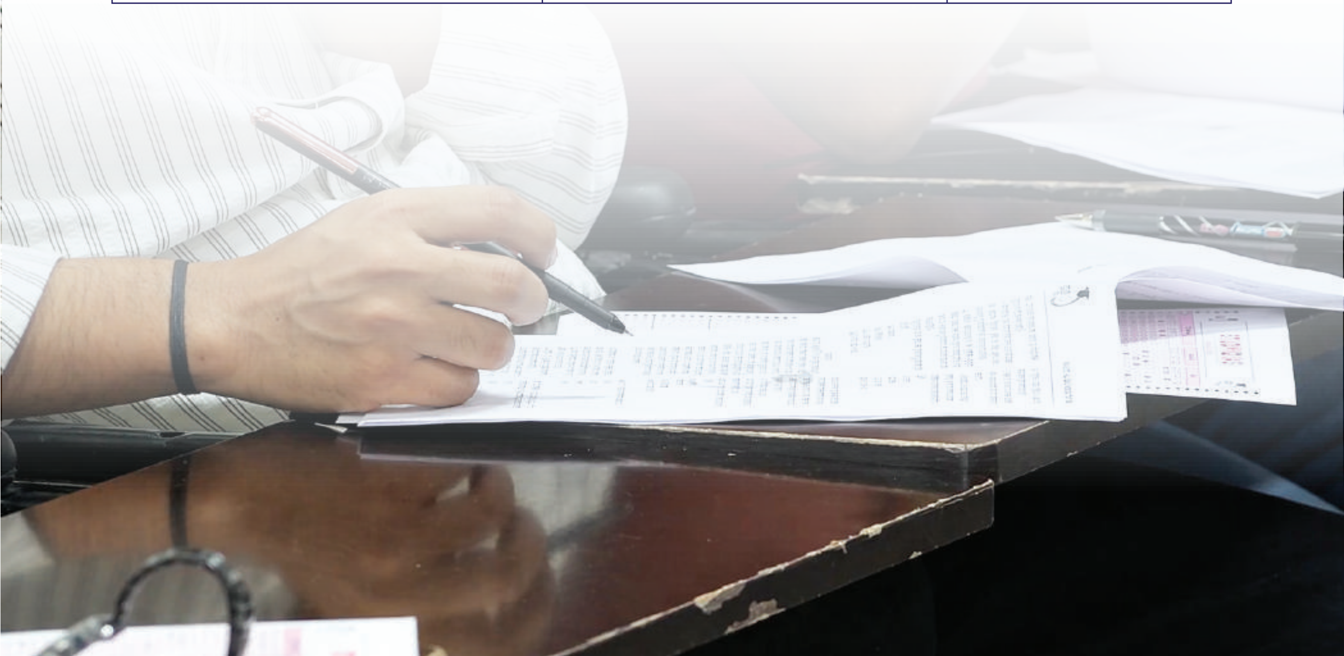

BPSC परीक्षा

पाठ्यक्रम (सिलेबस)

प्रारंभिक परीक्षा

सामान्य विज्ञान
- विज्ञान की सामान्य समझ, जिसमें दैनिक जीवन में होने वाली वैज्ञानिक घटनाएँ और अनुभव शामिल होंगे।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रश्न ऐसे होंगे जिनके लिए किसी विशेष विषय में विशेषज्ञता आवश्यक नहीं होगी।

समसामयिक घटनाएँ
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की घटनाएँ।

इतिहास
- भारत एवं बिहार का इतिहास (बिहार के इतिहास के व्यापक पहलुओं सहित विषय की सामान्य समझ)।

भूगोल
- भारत एवं बिहार का भूगोल (प्रश्न देश के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल से संबंधित होंगे, जिनमें भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की मुख्य विशेषताएँ शामिल होंगी)।
- बिहार का सामान्य भूगोल तथा बिहार के प्रमुख नदी तंत्रों का भौगोलिक विभाजन।

राजव्यवस्था
- भारतीय राजव्यवस्था (प्रश्न देश की राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, सामुदायिक विकास तथा भारत एवं बिहार में नियोजन से संबंधित ज्ञान का परीक्षण करेंगे)।

अर्थव्यवस्था
- स्वतंत्रता के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था एवं बिहार की अर्थव्यवस्था।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में बिहार का योगदान (प्रश्न 19वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना के उदय, राष्ट्रवाद के विकास और स्वतंत्रता प्राप्ति के स्वरूप एवं चरित्र से संबंधित होंगे, साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में बिहार की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया जाएगा)।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अंतर्गत अभ्यर्थियों को 19वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना के पुनरुत्थान, भारत में राष्ट्रवाद की प्रकृति एवं विकास तथा भारत की स्वतंत्रता पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में बिहार की भूमिका भी BPSC परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मुख्य परीक्षा चरण

सामान्य हिंदी

- निबंध
- व्याकरण
- वाक्य विन्यास
- संक्षेपण

सामान्य अध्ययन – I

- भारत का आधुनिक इतिहास एवं भारतीय संस्कृति, जिसमें देश के व्यापक इतिहास का अध्ययन (विशेष रूप से 19वीं शताब्दी के मध्य से बिहार के संदर्भ सहित) शामिल होगा।
- बिहार का आधुनिक इतिहास (जिसमें तकनीकी शिक्षा भी शामिल है) से संबंधित प्रश्नों में पाश्चात्य शिक्षा की शुरुआत एवं विकास को शामिल किया जाएगा।
- भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका।
- संथाल विद्रोह।
- बिहार में 1857 का विद्रोह।
- बिरसा आंदोलन।
- चंपारण सत्याग्रह।
- भारत छोड़ो आंदोलन, 1942।
- मौर्य एवं पाल कला की प्रमुख विशेषताओं का ज्ञान।
- महात्मा गांधी, टैगोर एवं नेहरू के बारे में मूलभूत जानकारी।
- सांख्यिकीय विश्लेषण, ग्राफ़ और आरेखों से जुड़े अभ्यास, उम्मीदवार की उस क्षमता का आकलन किया जायेगा जिसके तहत वह सांख्यिकीय, ग्राफ़िकल या आरेखीय रूप में प्रस्तुत डेटा से तर्कसंगत निष्कर्ष निकाल सके, और साथ ही किसी भी सीमा, बाधा या विरोधाभास की पहचान कर सके।

सामान्य अध्ययन – II

- भारतीय राजव्यवस्था : भारत की राजनीतिक व्यवस्था तथा बिहार की राजनीतिक व्यवस्था।
- भारतीय अर्थव्यवस्था : भारत में नियोजन।
- भारत का भूगोल : इसमें मुख्य रूप से भारत का आर्थिक, भौतिक एवं सामाजिक भूगोल शामिल होगा, साथ ही बिहार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी : भारत एवं बिहार के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के योगदान एवं प्रभाव। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भारत एवं बिहार को किस प्रकार प्रभावित किया है, तथा विशेष बल इसके व्यावहारिक पक्षों पर रहेगा।

निबंध

- नैतिक एवं दार्शनिक निबंध।
- परिकल्पनात्मक निबंध।
- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं प्रशासनिक विषयों से संबंधित निबंध।
- आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल इंडिया से संबंधित निबंध।
- बिहार की समस्याओं, समाधान एवं संभावनाओं से संबंधित निबंध।
- बिहार की प्रसिद्ध कहावतों एवं लोकोक्तियों से संबंधित निबंध।

साक्षात्कार चरण

जो अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे, उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
BPSC परीक्षा पैटर्न के अनुसार साक्षात्कार 120 अंकों का होगा। अंतिम मेरिट सूची मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

फाउंडेशन चरण

ऑफलाइन फाउंडेशन प्रोग्राम

BPSC में सफलता एक मजबूत नींव पर निर्भर करती है। इस यात्रा में आप एक कठोर एवं प्रक्रिया-आधारित फाउंडेशन कोर्स से गुजरेंगे, जहाँ हमारे विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा आपको 15 से अधिक विषय पढ़ाए जाएंगे।

ऑफलाइन कक्षाएँ

विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा संचालित प्र ऑफलाइन सत्रों के माध्यम से अध्ययन, जिसमें GS फाउंडेशन की 1200+ घंटों की पढ़ाई शामिल है।

हैंडआउट्स

आपके अध्ययन अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक सत्र से पहले संक्षिप्त क्लास नोट्स (CRUX) उपलब्ध कराए जाएंगे।

मेंटरशिप

समर्पित मेंटर्स से व्यक्तिगत मार्गदर्शन, जो आपकी प्रगति पर नज़र रखेंगे और आपको BPSC सफलता के सही मार्ग पर बनाए रखेंगे।

MCQ अभ्यास

BPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए विषयवार प्रीलिम्स MCQS का नियमित टेस्ट के साथ अभ्यास, जिससे आपकी सटीकता एवं समस्या-समाधान क्षमता बढ़ेगी।

उत्तर लेखन कौशल

नियमित अभ्यास सत्रों एवं फुल लेंथ टेस्ट के माध्यम से मुख्य परीक्षा के उत्तर लेखन कौशल में सुधार।

करेंट अफेयर्स कवरेज

समाचार-पत्र आधारित सत्रों एवं मासिक पत्रिका के माध्यम से सम्पूर्ण करेंट अफेयर्स कवरेज, ताकि आप BPSC के लिए अपडेट रहें।

सामान्य चुनौतियाँ

BPSC अभ्यर्थियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएँ

हर वर्ष अनेक अभ्यर्थी अत्यधिक प्रेरणा के साथ अपनी BPSC यात्रा प्रारंभ करते हैं, लेकिन शीघ्र ही सही निर्देश के अभाव के कारण श्रम और निरंतरता में कमी का सामना करने लगते हैं। कठिन परिश्रम से कहीं अधिक, BPSC एक स्पष्ट रोडमैप और संरचित दृष्टिकोण की मांग करता है।

अभ्यर्थियों द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य चुनौतियाँ :

बिखरी हुई तैयारी
कई पुस्तकों, यूट्यूब चैनलों और नोट्स से अध्ययन करना, लेकिन फिर भी दिशा की कमी महसूस होना।

स्पष्ट रोडमैप का अभाव
क्या पढ़ना है, कब पढ़ना है, और मूलभूत स्तर से उन्नत स्तर तक कैसे पहुँचना है, इसकी स्पष्ट समझ का अभाव।

सूचना का अत्यधिक भार
असंख्य संसाधन और रणनीतियाँ स्पष्टता के बजाय श्रम उत्पन्न करती हैं।

असंगत तैयारी
उच्च प्रेरणा के साथ शुरुआत करना, लेकिन महीनों तक अनुशासन बनाए रखने में संघर्ष करना।

कमजोर वैचारिक आधार
मूलभूत विषयों को छोड़ देने से अवधारणाओं की कमजोर समझ और उन्नत विषयों में कठिनाई उत्पन्न होती है।

मार्गदर्शन या मेंटरशिप का अभाव
ऐसे किसी व्यक्ति के बिना तैयारी करना जो मार्गदर्शन दे सके, गलतियों को सुधार सके या प्रगति का आकलन कर सके।

उत्तर लेखन में संघर्ष
विषयवस्तु का ज्ञान होने के बावजूद मुख्य परीक्षा में उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत न कर पाना।

खराब रिवीजन रणनीति
बहुत अध्ययन करने के बावजूद सही समय पर याद रखने और पुनरावृत्ति करने में असमर्थ होना।

परीक्षा संबंधी चिंता एवं कम आत्मविश्वास
मॉक टेस्ट का भय तथा दबाव में परीक्षा अनुकूल दृष्टिकोण की कमी।

एकीकृत तैयारी का अभाव
प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी को एकीकृत यात्रा के बजाय अलग-अलग रूप में करना।

क्या है
SMART मॉडल ?

BPSC केवल अधिक पढ़ाई करने से नहीं, बल्कि एक संरचित, मार्गदर्शित और टेस्ट-आधारित तैयारी से उत्तीर्ण किया जाता है।

SMART मॉडल यह सुनिश्चित करता है कि आपकी तैयारी हो:

योजनाबद्ध | मार्गदर्शित | रिवाइज्ड | मूल्यांकित

हर चरण में- आपकी तैयारी हो व्यवस्थित

S — संरचित कक्षाएँ

एक स्पष्ट शैक्षणिक रोडमैप:
प्रारंभिक परीक्षा → मुख्य परीक्षा → साक्षात्कार
अवधारणाओं का विकास करना, फिर उन्हें परीक्षा-उपयुक्त क्षमता में परिवर्तित करना।

M — मेंटरशिप

व्यक्तिगत 1:1 मार्गदर्शन, ताकि आप शैक्षणिक और मानसिक रूप से निरंतर, केंद्रित और सही दिशा में बने रहें।

A — मूल्यांकन

परीक्षाओं, डैशबोर्ड और फीडबैक के माध्यम से निरंतर प्रदर्शन विश्लेषण, ताकि कमियों की पहचान कर सुधार किया जा सके।

R — रिवीजन

CRUX नोट्स, कक्षा रिवीजन और संरचित अध्ययन सामग्री के माध्यम से रिवीजन व्यवस्था, जिससे मजबूत स्मरण क्षमता सुनिश्चित हो।

T — टेस्ट अभ्यास

एक कठोर अभ्यास प्रणाली जिसमें शामिल हैं:
दैनिक अभ्यास • साप्ताहिक टेस्ट • सेक्शनल टेस्ट • फुल लेंथ टेस्ट
ताकि सटीकता, गति और परीक्षा अनुरूप प्रवृत्ति विकसित किया जा सके।

SMART मॉडल
क्यों प्रभावी है?

यह BPSC तैयारी को केवल कंटेंट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया नहीं मानता।
यह इसे चयन की एक संपूर्ण प्रणाली के रूप में देखता है।

यह आपकी सहायता करता है:

- मजबूत आधार तैयार करने में
- अनुशासित और निरंतरता बनाये रखने में
- प्रभावी रिवीजन करने में
- निरंतर फीडबैक के माध्यम से सुधार करने में
- परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने में
- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की एकीकृत तैयारी करने में

संक्षेप में, आपकी तैयारी बिखरी हुई नहीं रहती, बल्कि यह संरचित, मार्गदर्शित और परिणाम-केंद्रित बन जाती है।

प्रारंभिक परीक्षा, **मुख्य परीक्षा** और **साक्षात्कार** की तैयारी एकीकृत तरीके से करना

प्रारंभिक परीक्षा से साक्षात्कार तक आपकी यात्रा — SMART तरीके से

हमारी पॉलिसी

P2I (प्रीलिम्स टू इंटरव्यू) जीएस फाउंडेशन बैच एक डायनामिक प्रोग्राम है, जिसे BPSC परीक्षा की तैयारी के हर ज़रूरी चरण में आपका मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, फाउंडेशन कोर्स से लेकर अंतिम इंटरव्यू तक। हर चरण पर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के साथ, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आप BPCS को क्रैक करने और बिहार सिविल सेवा में अपनी जगह पक्की करने के लिए पूरी तरह से तैयार हों।

नोट

- संस्थान आवश्यकता पड़ने पर कक्षा के स्थान को बदलने/स्थानांतरित करने का अधिकार रखता है।
- विद्यार्थियों को कक्षाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग वेब/ऐप अथवा संस्थान द्वारा निर्धारित अन्य प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएगी। कक्षाएँ रिकॉर्ड की जाएँगी या LIVE होंगी, यह संस्थान के विवेक पर निर्भर करेगा। दोनों ही स्थितियों में विद्यार्थियों को अपनी शंकाएँ लिखकर निर्धारित केंद्रों पर मेंटर्स से समाधान प्राप्त करना होगा। रिकॉर्डेड वीडियो वेब/ऐप पर उपलब्ध कराए जाएँगे और इन्हें कितनी भी बार देखा जा सकता है।
- यदि कोई विद्यार्थी संस्थान के प्रति किसी अनियमित या अनुशासनहीन गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है, तो उसे कक्षा से प्रतिबंधित किया जा सकता है।
- संस्थान वाहन पार्किंग, भोजन या आवास की सुविधा प्रदान नहीं करेगा।
- विद्यार्थियों को कक्षाएँ समाप्त होने के बाद कक्षा खाली करनी होगी ताकि अन्य बैचों के विद्यार्थियों को समायोजित किया जा सके। विद्यार्थी संस्थान परिसर के भीतर फैकल्टी एवं मेंटर्स से मिल सकते हैं।
- ऑफलाइन कक्षाएँ समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएँगी, हालांकि संस्थान आवश्यकता पड़ने पर समय-सारणी में परिवर्तन कर सकता है।
- संस्थान प्रारंभिक या मुख्य परीक्षा के किसी भी टेस्ट को ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में आयोजित करने का अधिकार रखता है।
- ऑफलाइन कक्षाएँ सरकारी नियमों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के अनुसार संचालित की जाएँगी।
- कोर्स के दौरान कक्षाओं की अवधि निर्धारित समय से अधिक बढ़ाई जा सकती है अथवा एक ही दिन में दो कक्षाएँ भी आयोजित की जा सकती हैं।
- संस्थान समान समय वाले बैचों को आवश्यकता अनुसार विलय करने का अधिकार रखता है।
- प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा टेस्ट चर्चा अथवा अन्य विशेष सत्र जैसी अतिरिक्त कक्षाएँ संस्थान द्वारा आयोजित की जाएँगी। इन अतिरिक्त कक्षाओं का समय नियमित कक्षाओं से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में इन अतिरिक्त कक्षाओं की रिकॉर्डेड चर्चा देखना उचित रहेगा।
- संस्थान की कोई रिफंड नीति नहीं है। रिफंड से संबंधित मामलों पर केवल विद्यार्थी की चिकित्सीय स्थिति या व्यक्तिगत दुर्घटना की स्थिति में विचार किया जाएगा। रिफंड का निर्णय पूर्णतः संस्थान के विवेक पर निर्भर होगा।
- प्रवेश के बाद ऑफलाइन बैचों को ऑनलाइन बैचों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

पुस्तक सेक्शन

UPSC 18 सामान्य अध्ययन पुस्तकें

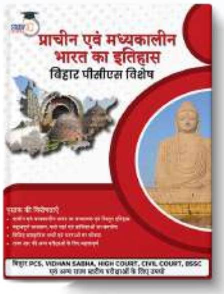

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत का इतिहास

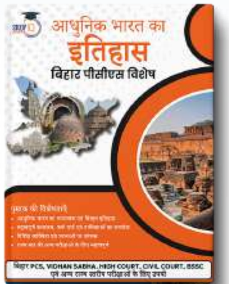

आधुनिक भारत का इतिहास

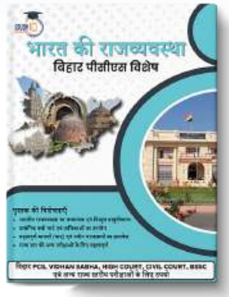

भारत की राजव्यवस्था

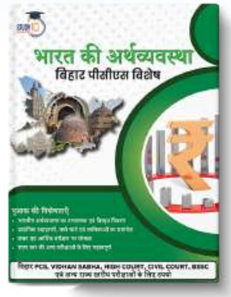

भारत की अर्थव्यवस्था

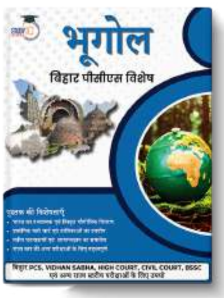

भूगोल

बिहार विशेष सामान्य ज्ञान

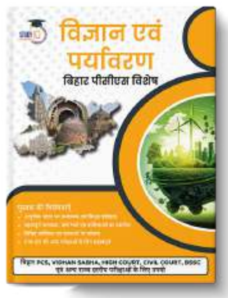

विज्ञान एवं पर्यावरण

अध्ययन सामग्री सेक्शन

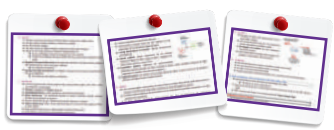

क्रक्स

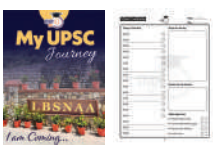

डायरी

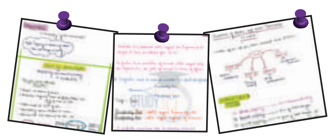

हस्तलिखित नोट्स

STUDY IQ
IAS

हमारे ऑफलाइन केंद्र

दिल्ली | पटना | प्रयागराज | लखनऊ | इंदौर

हमारे काउंसलर्स से संपर्क करें 945-945-6945